

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 25 August 2026

कृषिमित्र कटोल के संस्थापक श्री दिनेश शेषराव ठाकरे : आधुनिक कृषि, नवाचार और किसान सशक्तिकरण की मिसाल

Sanket Morankar

Published on 10 Jul 2026



भारत एक कृषि प्रधान देश है और देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ किसानों को माना जाता है। बदलते समय में कृषि केवल परंपरागत खेती तक सीमित नहीं रही, बल्कि आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक सोच और नवाचार के माध्यम से इसे लाभकारी व्यवसाय में बदलने का दौर शुरू हो चुका है। इसी परिवर्तन की दिशा में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तित्वों में **कृषिमित्र कटोल** के संस्थापक **श्री दिनेश शेषराव ठाकरे** का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। उन्होंने वर्षों से किसानों को आधुनिक खेती की तकनीकों, वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों और नई आय के स्रोतों से जोड़ने का सराहनीय कार्य किया है।

श्री दिनेश ठाकरे का संपूर्ण जीवन किसानों के उत्थान और कृषि विकास को समर्पित रहा है। उन्होंने हमेशा यह विश्वास रखा कि यदि किसान आधुनिक तकनीक अपनाए, सही जानकारी प्राप्त करें और बाजार की आवश्यकताओं को समझे, तो वह अपनी आय को कई गुना बढ़ा सकता है। इसी उद्देश्य के साथ उन्होंने **कृषिमित्र कटोल** की स्थापना की, जो आज किसानों के लिए एक भरोसेमंद मार्गदर्शन केंद्र बन चुका है।

कृषिमित्र के माध्यम से श्री ठाकरे ने हजारों किसानों तक आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी पहुंचाई। उन्होंने विभिन्न जिलों में कृषि कार्यशालाओं, किसान सम्मेलनों, प्रशिक्षण शिविरों और कृषि परिसंवादों का आयोजन कर किसानों को नई तकनीकों से परिचित कराया। इन कार्यक्रमों में किसानों को उन्नत बीज, जल संरक्षण, जैविक खेती, रोग एवं कीट प्रबंधन, उर्वरक संतुलन, आधुनिक सिंचाई प्रणाली तथा कृषि यंत्रीकरण जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया।

श्री ठाकरे की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने केवल सैद्धांतिक जानकारी देने तक स्वयं को सीमित नहीं रखा, बल्कि किसानों के खेतों तक पहुंचकर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया। उन्होंने किसानों को यह समझाया कि वैज्ञानिक तरीके से खेती करने पर उत्पादन लागत कम होती है और फसल की गुणवत्ता एवं उत्पादन दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि होती है।

उनके नेतृत्व में **चंदन की खेती** को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। उन्होंने किसानों को बताया कि पारंपरिक फसलों के साथ चंदन जैसे उच्च मूल्य वाले वृक्षों की खेती भविष्य में आर्थिक समृद्धि का मजबूत आधार बन सकती है। “चंदन लगाओ, भविष्य संवारो” जैसी सोच के माध्यम से उन्होंने अनेक किसानों को दीर्घकालिक निवेश वाली खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। आज कई किसान उनके मार्गदर्शन में चंदन की खेती कर अतिरिक्त आय प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

इसके अलावा श्री ठाकरे ने कपास, संतरा, मौसंबी, सोयाबीन तथा अन्य प्रमुख फसलों पर आने वाली बीमारियों, कीट नियंत्रण और उत्पादन बढ़ाने की आधुनिक तकनीकों पर भी किसानों को लगातार प्रशिक्षित किया। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों और अनुभवी किसानों को एक मंच पर लाकर ज्ञान साझा करने की परंपरा विकसित की, जिससे किसानों को सीधे विशेषज्ञों से सीखने का अवसर मिला।

कृषिमित्र कटोल द्वारा आयोजित कृषि परिषदों और किसान सम्मेलनों में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया। इन आयोजनों के माध्यम से किसानों को बाजार की मांग, नई कृषि योजनाओं, सरकारी योजनाओं, मूल्य संवर्धन, कृषि उद्यमिता और प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग की जानकारी दी गई। इससे अनेक किसानों ने नई तकनीकों को अपनाकर अपनी आय और उत्पादन दोनों में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की।

श्री दिनेश ठाकरे का मानना है कि कृषि केवल आजीविका का साधन नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उनका उद्देश्य किसानों को आत्मनिर्भर बनाना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। इसी सोच के साथ उन्होंने कृषि को आधुनिक तकनीक, नवाचार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जोड़ने का सतत प्रयास किया है।

कृषि क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को विभिन्न सामाजिक एवं कृषि संस्थाओं द्वारा समय-समय पर सम्मानित किया गया है। उन्हें प्रतिष्ठित **“सकाल आइडल्स ऑफ महाराष्ट्र – Sons of the Soil”** सम्मान सहित अनेक पुरस्कारों से नवाज़ा जा चुका है। यह सम्मान केवल उनके व्यक्तिगत योगदान का नहीं, बल्कि किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के उनके अथक प्रयासों का प्रतीक है।

उनकी उपलब्धियां केवल पुरस्कारों तक सीमित नहीं हैं। हजारों किसान आज उन्हें अपना मार्गदर्शक मानते हैं। उनके मार्गदर्शन में अनेक किसानों ने आधुनिक खेती अपनाकर बेहतर उत्पादन, अधिक आय और आर्थिक स्थिरता प्राप्त की है। किसानों के बीच उनकी पहचान एक ऐसे कृषि विशेषज्ञ और समाजसेवी के रूप में है, जो हर परिस्थिति में किसानों के साथ खड़े रहते हैं।

श्री ठाकरे सामाजिक दायित्वों को भी समान महत्व देते हैं। वे मानते हैं कि कृषि विकास तभी संभव है जब किसान शिक्षित, जागरूक और तकनीकी रूप से सक्षम हो। इसलिए वे युवाओं को कृषि उद्यमिता की ओर प्रेरित करने, नई पीढ़ी को खेती से जोड़ने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर विकसित करने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

आज जब जलवायु परिवर्तन, उत्पादन लागत और बाजार की चुनौतियां किसानों के सामने हैं, तब श्री दिनेश शेषराव ठाकरे जैसे दूरदर्शी कृषि नेतृत्व किसानों के लिए आशा की नई किरण बनकर उभरे हैं। उनका कार्य यह सिद्ध करता है कि सही मार्गदर्शन, आधुनिक तकनीक और सकारात्मक सोच के माध्यम से कृषि को अधिक लाभदायक और टिकाऊ बनाया जा सकता है।

कृषिमित्र कटोल के माध्यम से श्री दिनेश शेषराव ठाकरे का लक्ष्य आने वाले वर्षों में और अधिक किसानों तक आधुनिक कृषि ज्ञान पहुंचाना, कृषि आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देना तथा विदर्भ सहित पूरे महाराष्ट्र के किसानों को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाना है। उनका जीवन संघर्ष, सेवा, नवाचार और किसान हित के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है, जो आने वाली पीढ़ियों को भी कृषि विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करता रहेगा।